दिसंबर 2025 में खुदरा मुद्रास्फीति तीन महीने के उच्चतम स्तर पर, फिर भी आरबीआई के संतोषजनक दायरे से नीचे

UPSC प्रासंगिकता

- **प्रारंभिक परीक्षा:** CPI, WPI और PPI के बीच अंतर; आधार वर्ष; प्रकाशन अधिकारी; मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचा।
- **मुख्य परीक्षा (GS III):** भारत में मुद्रास्फीति माप की चुनौतियाँ।

IAS-PCS Institute

समाचार में क्यों

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति (CPI) दिसंबर 2025 में तीन महीने के उच्चतम स्तर 1.33% पर पहुँच गई, यह आंकड़ा सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा जारी किया गया। वृद्धि के बावजूद, मुद्रास्फीति अभी भी भारतीय रिज़र्व बैंक की निचली सहिष्णुता सीमा 2% से नीचे है, जो मांग की स्थिति, आधार प्रभाव और मौद्रिक नीति रुख के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाता है।

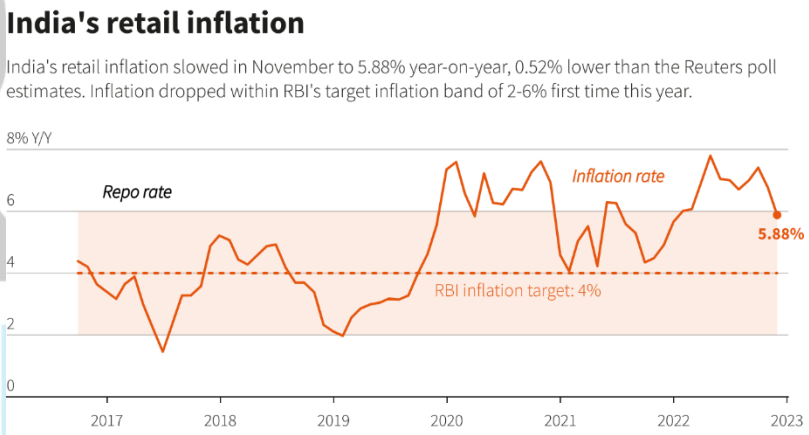

Result
रिजल्ट का साथी
@resultmitra
www.resultmitra.com
9235313184, 9235440806

पृष्ठभूमि: मुद्रास्फीति के बारे में

मुद्रास्फीति (Inflation) से तात्पर्य वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में निरंतर वृद्धि से है, जिससे धन की क्रय शक्ति (Purchasing Power) में गिरावट आती है।

मुद्रास्फीति के प्रमुख निहितार्थ:

- घरेलू बचत को कम करती है।
- ब्याज दरों और निवेश को प्रभावित करती है।
- आरबीआई (RBI) के मौद्रिक नीति निर्णयों को प्रभावित करती है।
- गरीबी, असमानता और विकास को प्रभावित करती है।

मुद्रास्फीति को सीधे नहीं मापा जाता है, बल्कि मूल्य सूचकांकों के माध्यम से मापा जाता है, जिनमें CPI और WPI सबसे महत्वपूर्ण हैं।

मुद्रास्फीति के प्रकार (संक्षेप में)

1. **मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति (Demand-pull Inflation):** आपूर्ति की तुलना में मांग का अधिक होना।
2. **लागत-जन्य मुद्रास्फीति (Cost-push Inflation):** इनपुट लागत (ईंधन, मजदूरी, कच्चा माल) का बढ़ना।
3. **कोर मुद्रास्फीति (Core Inflation):** इसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं होते; यह संरचनात्मक मांग को दर्शाता है।
4. **हेडलाइन मुद्रास्फीति (Headline Inflation):** सभी घटकों को मिलाकर कुल मुद्रास्फीति।

नोट: भारत में, आरबीआई CPI हेडलाइन मुद्रास्फीति को लक्षित करता है, WPI को नहीं।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI): भारत का प्राथमिक मुद्रास्फीति मानक

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) घरों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में होने वाले परिवर्तनों को मापता है।

- **जारीकर्ता:** राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)।
- **आधार वर्ष:** 2012
- **शामिल क्षेत्र:** भोजन, ईंधन, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन आदि। इसमें सेवाएं और अप्रत्यक्ष कर भी शामिल हैं।
- **नीतिगत प्रासंगिकता:** मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे (4% ± 2%) के तहत आरबीआई द्वारा उपयोग किया जाता है। यह जीवन यापन की लागत और कल्याणकारी प्रभाव को दर्शाता है।

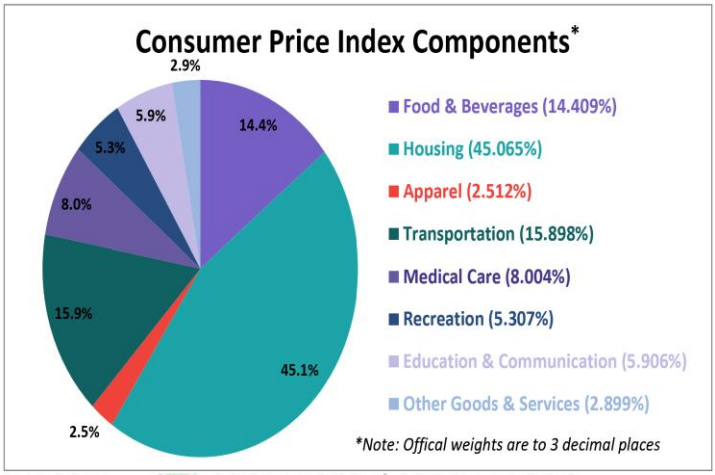

थोक मूल्य सूचकांक (WPI): अर्थ और संरचना

थोक मूल्य सूचकांक (WPI) घरेलू बाजार में थोक बिक्री के पहले बिंदु पर वस्तुओं की कीमतों में औसत परिवर्तन को मापता है।

प्रमुख विशेषताएं:

- **जारीकर्ता:** आर्थिक सलाहकार का कार्यालय (OEA), उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय।
- **आधार वर्ष:** 2011-12

- **विधि:** वस्तुओं की कीमतों का भारित औसत।

WPI बास्केट की संरचना (697 वस्तुएं):

1. **प्राथमिक वस्तुएं (भार: 22.62):** खाद्य वस्तुएं, गैर-खाद्य वस्तुएं, खनिज, कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस।
2. **ईंधन और बिजली (भार: 13.15 - सबसे कम):** कोयला, खनिज तेल, बिजली।
3. **निर्मित उत्पाद (भार: 64.23 - सबसे अधिक):** इसमें औद्योगिक उत्पादन को दर्शाने वाले 22 उप-समूह शामिल हैं। निर्मित वस्तुओं का उच्च भार WPI को औद्योगिक और लागत-जन्य मुद्रास्फीति के प्रति संवेदनशील बनाता है।

WPI की सीमाएं

लंबे समय तक उपयोग के बावजूद, WPI में कुछ गंभीर वैचारिक सीमाएं हैं:

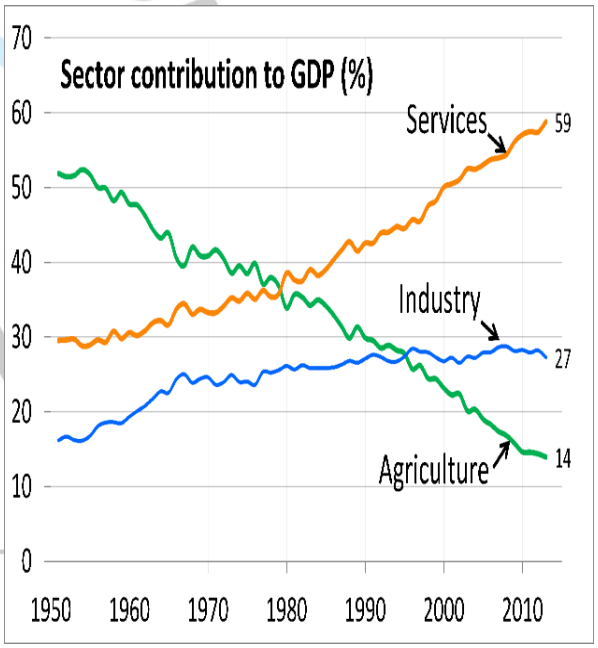

- **दोहरी गणना का पक्षपात (Multiple Counting Bias):** उत्पादन के विभिन्न चरणों में एक ही उत्पाद की गणना कई बार हो सकती है।
- **सेवाओं का अपवर्जन:** सेवाएं भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में लगभग 55% का योगदान देती हैं, फिर भी वे WPI से बाहर हैं।
- **अप्रत्यक्ष करों का अपवर्जन:** WPI बुनियादी कीमतों का उपयोग करता है, जिसमें GST, व्यापार मार्जिन और परिवहन लागत शामिल नहीं होती है।
- **सीमित कल्याणकारी महत्व:** यह उपभोक्ताओं द्वारा वास्तव में भुगतान की गई कीमतों को नहीं दर्शाता है।

उत्पादक मूल्य सूचकांक (PPI): प्रस्तावित विकल्प

उत्पादक मूल्य सूचकांक (PPI) घरेलू या निर्यात बाजारों में बेची जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के लिए उत्पादकों द्वारा प्राप्त कीमतों में औसत परिवर्तन को मापता है।

PPI के प्रकार:

1. **आउटपुट PPI:** उत्पादकों द्वारा बेची गई तैयार वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों पर नज़र रखता है।
2. **इनपुट PPI:** उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले मध्यवर्ती इनपुट की कीमतों को मापता है।

WPI से PPI की ओर जाने की आवश्यकता क्यों?

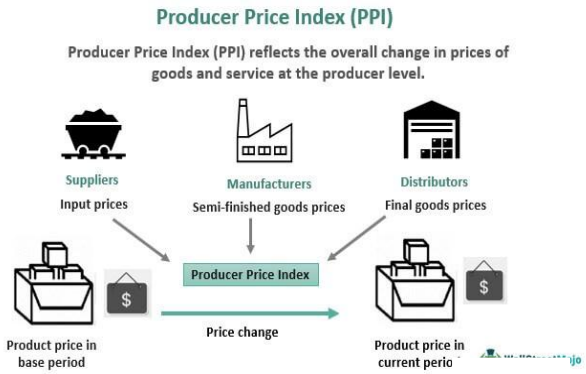

- दोहरी गणना के पक्षपात को समाप्त करता है।
- WPI के विपरीत इसमें सेवाओं को शामिल किया जाता है।
- उत्पादक-पक्ष के मुद्रास्फीति दबावों को बेहतर ढंग से दर्शाता है।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत (अमेरिका, यूरोपीय संघ, ओईसीडी देशों द्वारा उपयोग किया जाता है)।
- सटीकता में सुधार के लिए 'सप्लाई-यूज़ टेबल' से भार (Weights) प्राप्त किए जाते हैं।

CPI बनाम WPI बनाम PPI: एक तुलनात्मक विश्लेषण

आपकी निर्देशानुसार, यहाँ तुलना को विस्तृत व्याख्या के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है:

- **मापन का चरण:** WPI थोक स्तर पर कीमतों को मापता है, जबकि PPI उत्पादक स्तर पर और CPI उपभोक्ता स्तर पर कीमतों का मापन करता है।
- **कवरेज:** WPI केवल वस्तुओं (Goods) तक सीमित है। इसके विपरीत, PPI और CPI दोनों में वस्तुओं और सेवाओं (Services) को शामिल किया जाता है।
- **अप्रत्यक्ष कर:** WPI में अप्रत्यक्ष कर शामिल नहीं होते हैं। PPI में इन्हें आंशिक रूप से लिया जाता है, जबकि CPI में ये पूरी तरह शामिल होते हैं क्योंकि उपभोक्ता कर सहित मूल्य का भुगतान करता है।
- **दोहरी गणना:** WPI में एक ही वस्तु की गणना कई बार होने की संभावना रहती है, जबकि PPI और CPI इस दोष से मुक्त हैं।
- **नीतिगत उपयोग:** वर्तमान में CPI आरबीआई का मुख्य नीतिगत आधार है, जबकि WPI का उपयोग अब सीमित हो गया है। PPI को अभी भारत में पूरी तरह लागू किया जाना बाकी है।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

वर्तमान मुद्रास्फीति परिदृश्य: डेटा क्या संकेत देता है?

- **हेडलाइन CPI (1.33%):** खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण कम है।
- **कोर मुद्रास्फीति:** यह अभी भी उच्च है, जो संरचनात्मक मांग के दबाव का संकेत देती है।
- **WPI रुझान:** भविष्य की लागत के दबावों का पता लगाने के लिए उपयोगी है लेकिन अधूरा है।
- **नीतिगत चुनौती:** कम मुद्रास्फीति विकास दर को धीमा करने का जोखिम पैदा करती है, जबकि स्थिर कोर मुद्रास्फीति मौद्रिक ढील (Monetary Easing) की संभावना को सीमित करती है।

आगे की राह

- **WPI से PPI की ओर क्रमिक संक्रमण:** भारत के मुद्रास्फीति ढांचे को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ जोड़ना।
- **डेटा की सटीकता को मजबूत करना:** क्षेत्रवार और सेवावार मूल्य सूचकांक विकसित करना।
- **नीति के लिए कई संकेतकों का उपयोग:** कल्याण के लिए CPI, उत्पादन के लिए PPI और पाइपलाइन संकेतों के लिए WPI का उपयोग करें।
- **आरबीआई और सरकार द्वारा संचार में सुधार:** हेडलाइन और कोर मुद्रास्फीति के बीच अंतर को स्पष्ट करना।

IAS-PCS Institute

निष्कर्ष

यद्यपि CPI भारत का प्राथमिक मुद्रास्फीति मानक बना हुआ है, WPI की संरचनात्मक कमियां आज की अर्थव्यवस्था में इसकी उपयोगिता को सीमित करती हैं। CPI के साथ-साथ एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया 'उत्पादक मूल्य सूचकांक' (PPI), मुद्रास्फीति की गतिशीलता की अधिक समग्र समझ प्रदान कर सकता है, जिससे विकास, मूल्य स्थिरता और जनकल्याण के बीच बेहतर नीतिगत समन्वय संभव होगा।

UPSC प्रीलिम्स प्रैक्टिस प्रश्न:

Q1. भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) से संबंधित, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण के लिए आरबीआई द्वारा CPI को आधिकारिक मुद्रास्फीति मापदंड के रूप में उपयोग किया जाता है।
2. CPI में घरेलू उपभोग के लिए वस्तुएँ और सेवाएँ दोनों शामिल होती हैं।
3. CPI में अप्रत्यक्ष कर जैसे GST को शामिल नहीं किया गया है।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

सही उत्तर चुनें:

A. 1 और 2 केवल

B. 2 और 3 केवल

C. 1 और 3 केवल

D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

Q2. थोक मूल्य सूचकांक (WPI) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह घरेलू बाजार में थोक बिक्री के पहले बिंदु पर कीमतों में बदलाव को मापता है।

2. इसमें परिवहन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी सेवाएँ शामिल हैं।
3. WPI की टोकरी में सबसे अधिक भार निर्माणित उत्पादों का है।

सही उत्तर चुनें:

A. 1 और 3 केवल

B. 1 और 2 केवल

C. 2 और 3 केवल

D. 1, 2 और 3

IAS-PCS Institute

सही उत्तर: A

Q3. उत्पादक मूल्य सूचकांक (PPI) से संबंधित, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. PPI उन उत्पादकों द्वारा प्राप्त वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में औसत परिवर्तन को मापता है।
2. PPI को WPI जैसी कई बार गिनती की त्रुटि होती है।
3. अमेरिका जैसे उन्नत देश PPI को मुख्य मुद्रास्फीति सूचकांक के रूप में उपयोग करते हैं।

सही उत्तर चुनें:

A. 1 और 3 केवल

B. 1 और 2 केवल

C. 2 और 3 केवल

D. 1, 2 और 3

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

सही उत्तर: A

Q4. निम्नलिखित में से कौन सा मूल्य सूचकांक और उसका प्रकाशन प्राधिकारी सही मेल खाता है?

मूल्य सूचकांक	प्रकाशन प्राधिकारी
CPI	राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)
WPI	आर्थिक सलाहकार कार्यालय, DPIIT
PPI	रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया

सही उत्तर चुनें:

A. 1 और 2 केवल

B. 2 और 3 केवल

C. 1 और 3 केवल

D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

Q5. भारत में थोक मूल्य सूचकांक (WPI) की प्रमुख सीमाएँ कौन-सी हैं?

1. सेवा क्षेत्र को शामिल नहीं करना
2. कई बार गिनती की त्रुटि होना
3. अप्रत्यक्ष करों को शामिल करना
4. उपभोक्ता कल्याण का सीमित प्रतिबिंब

सही उत्तर चुनें:

A. 1, 2 और 4 केवल

B. 1 और 3 केवल

C. 2 और 3 केवल

D. 1, 2, 3 और 4

सही उत्तर: A

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806